प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 20.03.2026 को एक दिवसीय स्किल विकास इन्टरप्रिन्योरशिप और रिजनिंग (Skill Enhancement, Entrepreneurship and Reasoning) पर कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल, कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ मे किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो0 त्रिवेणी दत्त, माननीय कुलपति सरदार वल्लभभाई पटेल, कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा विधिवत दीप प्रज्जवलित कर किया गया। डा0 विवेक, अधिष्ठाता कृषि ने माननीय कुलपति व अन्य सभी अधिकारियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर माननीय कुलपति जी ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) की अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति योजना (SC-SP) के छात्रों के उत्थान के लिये एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य कृषि आधारित आजीविका को बढ़ावा देना, कृषि तकनीकियों का प्रशिक्षण प्रदान करना है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों को सशक्त बनाना और आत्मनिर्भर बनाना है। इसके अन्तर्गत कृषि संस्थानों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम कौशल विकास कार्यशालायें आयोजित किये जाते हैं। छात्रों को बागवानी फसलों के प्रबंधन और पौध संरक्षण के तकनीकी पहलुओं पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत छात्रों के लिये विशेष प्रशिक्षण करने का प्रावधान है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा0 विक्रान्त जावला, निदेशक कैरियर लांचर ने छात्रों को अपने संबोधन स्किल विकास इन्टरप्रिन्योरशिप और रिजनिंग (Skill Enhancement, Entrepreneurship and Reasoning) पर कार्यक्रम के बारे में विधिवत बताया। कार्यक्रम का संचालन डा0 प्रेरणा सिकरवार, सहायक प्राध्यापक ने किया। धन्यवाद डा0 डी0वी0 सिंह, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष कीट विज्ञान एवं कार्यक्रम आयोजक ने प्रस्तुत किया।

डा0 विक्रान्त जावला, निदेशक कैरियर लांचर/ मोटीवेशनल स्पीकर ने अपने वक्तव्य में छात्रों को विभिन्न टिप्स दिये – लक्ष्य निर्धारित करें, लक्ष्य विहीन युवा 2047 नये भारत के लिये खतरा है, एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में युवाओं का रूझान जरूरी है, आत्मनिर्भर भारत के लिये आत्मनिर्भर युवा जरूरी हैं, अपने लक्ष्य को लेकर सशक्त व दूरदर्शी बनें, सभी क्षेत्रों में जाएं युवा, स्नातक तृतीय व चतुर्थ वर्ष से ही तैयारी शुरू कर दें, बेहतर लक्ष्य ही सफलता की कुंजी है, लक्ष्य के लिये मजबूत नींव रखने जैसी अपने मूलभूत शिक्षा, प्लानिंग कैसे करें, लक्ष्य कैसे बनायें, प्रोजेक्टस् बनायें, सिलेबल के साथ पूर्ण तैयारी करें एवं सफलता निश्चित पायें

स्वस्थ माहौल ही स्वस्थ समाज की रीढ़ है, कैरियर चुनाव महत्वपूर्ण है बिजनेस की तरफ आकर्षित हो युवा। पर्सनेलिटी डवलपमेंट ट्रेंनर श्रीमती डा0 रिया जावला ने साक्षात्कार की तैयारी करने के टिप्स भी दिये। अपनी रूचि अनुसार युवा आगे आयें व उस पर कार्य करें। अपने विषय में लिखें, अपने लक्ष्य के विषय में लिखें। अंग्रेजी भाषा में बोलना शुरू करें। आपस में अंग्रेजी में बात करें तथा अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं के अखबार अवश्य पढ़ें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डा0 पी0के0 सिंह, निदेशक प्रसार, श्री पंकज कुमार चतुर्वेदी, वित्त नियंत्रक, डा0 लोकेश कुमार गंगवार, निदेशक आई.क्यू.ए.सी., अधिष्ठाता कृषि, डा0 विवेक, डा0 मुकेश कुमार, विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान, डा0 रश्मि प्राध्यापक मौलिक विज्ञान विभाग, डा0 नीरज कुमार, प्राध्यापक मृदा विज्ञान, डा0 अतर सिंह, सह प्राध्यापक, जी0पी0.बी0, डा0 पंकज कुमार, अधिष्ठाता गन्ना अनुसंधान महाविद्यालय, डा0 गजे सिंह, प्राध्यापक, कीट विज्ञान, डा0 हेम सिंह प्राध्यापक कीट विज्ञान, डा0 एल0बी0 सिंह विभागाध्यक्ष कृषि प्रसार, डा0 डी0के0 सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डा0 एस0पी0 यादव प्राध्यापक पशुपालन, डा0 सतेन्द्र कनौजिया प्राध्यापक, मृदा विज्ञान, डा0 राजेन्द्र सिंह प्राध्यापक कीट विज्ञान, डा0 पूरनचन्द प्राध्यापक, जी.पी.बी., श्री कपिल भारद्वाज, श्री हरिकेश सिंह एवं अलक्षेन्द्र भानु आदि भी मौजूद रहे।

One Day Training Programme
on
Skill Enhancement, Entrepreneurship and Reasoning

One Day Training Programme
on
Dr. P. K. Singh
Director Extension
Dr. Vivek
Dean Agriculture
Dr. Triveni Dutt
Vice-Chancellor

SARDAR VALLABHBHAI PATEL UNIVERSITY OF AGRI. & TECH., MEERUT
2000
One Day Training Programme
on
Skill Enhancement, Entrepreneurship and Reasoning
20th March, 2026
Sponsored by SC-SP Plan, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi
under
Empowerment Programme & Career development in Agriculture
Organized By : College of Agriculture, SVPUA&T, Meerut
Mini Auditorium
ICAR

SVPUA&T Signs MoU with The Floret Center, Nigeria to Strengthen Genomics and Bioinformatics Collaboration

Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture and Technology (SVPUA&T), Meerut, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Floret Center for Advanced Genomics and Bioinformatics Research, Nigeria, in a virtual ceremony held on 12th March 2026 under aegis of recently established Centre for International Relations (CIR). The partnership aims to promote academic cooperation, research collaboration, and knowledge exchange in the fields of genomics, bioinformatics, and advanced agricultural sciences.

The Virtual MoU Exchange and Partnership Ceremony was conducted online with participation from scientists, faculty members, and institutional leadership from both India and Nigeria.

The program began with the national song followed by a welcome address by Dr. Harsh Panwar, Associate Director, CIR.Mr Duro-Bello, Director (Governance) and Mr. Ibikunle, Director (Strategy & Collaborations) from The Floret Center introduced the gathering to The Floret Centre and also highlighted the research strengths and ongoing research activities in advanced genomics and bioinformatics research. Dr Pushpendra Kumar, Director, CIR presented the overview and vision of collaboration, emphasizing opportunities for joint research projects, faculty and student exchanges, training programs, and collaborative publications.

Presidential remarks were delivered by Dr Olabisi Flora, Executive Director of the Floret Center and Dr Triveni Dutt, Hon'ble Vice-Chancellor. Dr Dutt highlighted the importance of international partnerships in addressing global challenges in agriculture, biotechnology, and food security. He expressed confidence that the partnership would open new avenues for scientific research and capacity building between the two institutions. He also emphasized on students/ faculty mobility, joint workshops and development of an Institutional consortium on Bioinformatics. The Vice-Chancellor also emphasized that such international collaborations align closely with the vision of the National Education Policy 2020 andwill contribute meaningfully to the national mission of Viksit Bharat 2047.

The ceremony concluded with a vote of thanks from representatives of both organizations, followed by a virtual group photograph of all participants. The event ended with the national anthems of Nigeria and India, symbolizing the beginning of a new academic partnership between the two countries.

This collaboration marks another step forward in SVPUA&T's efforts to expand its global academic network and promote international research cooperation in emerging scientific fields.

Glimpses of MoU Signing Ceremony between SVPUA&T., Meerut and the Floret Center, Nigeria

Glimpses of MoU Signing Ceremony between SVPUA&T., Meerut and the Floret Center, Nigeria

प्रसार तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए ०5 नयी बुलेरो N4 माननीय कुलपति जी द्वारा कृषि विज्ञानं केंद्रों के लिए रवाना की गयी।

आई0सी0ए0आर0-अटारी, कानपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के अन्तर्गत स्थापित 05 कृषि विज्ञान केन्द्रों क्रमशः गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर-प्रथम, शाहजहाँपुर, मुरादाबाद-प्रथम एवं सहारनपुर को नए वाहन क्रय करने हेतु बजट उपलब्ध कराया। उक्त के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा 05 नई बुलेरो एन4 क्रय किया गया। आज दिनांक 12 मार्च, 2026 को विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, डा0 त्रिवेणी दत्त जी द्वारा पूजा अर्चना के उपरान्त वाहनों को झंडी दिखाकर गन्तव्य कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। माननीय कुलपति जी ने प्रसार तंत्र के और सुदृढ़ होने तथा गाँवों तक और अधिक पहुँच के लिए वाहनों को उपयोगी बताया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, निदेशक प्रसार, निदेशक शोध, निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण, समस्त अधिष्ठातागण, प्रसार निदेशालय के समस्त अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशासनिक भवन

Post Budget Webinar on the Theme "Agriculture and Rural Transformation" in which Hon'ble Prime Minister addressed through virtual mode

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह जी का जनदिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अपने जन्मदिवस (5 मार्च) को “प्रेम-सेवा संकल्प दिवस” के रूप में मनाने के आह्वान पर आज सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ में एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर माननीय कुलपति जी डॉ. त्रिवेणी दत्त जी एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के इस संकल्प में सहभागिता की।यह पहल इस संदेश को सशक्त करती है कि सच्ची शुभकामनाएँ शब्दों से नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे कर्मों से व्यक्त होती हैं। आइए, प्रेम-सेवा संकल्प दिवस के अवसर पर हम भी एक पौधा लगाकर हरित भविष्य की ओर अपना योगदान दें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ में आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस संगोष्ठी का उद्घाटन कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डॉ त्रिवेणी दत्त एवं मुख्य अतिथि मेरठ हापुण लोकसभा क्षेत्र के सांसद अरुण गोविंद ने दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ किया मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सांसद अरुण गोविल ने कहा कि भारतीय पारंपरिक ज्ञान को सांस्कृतिक पहचान का आधार माना गया है आज के समय में भारतीय ज्ञान संस्कृति एवं रामायण जैसे महान ग से प्राप्त जीवन मूल्य राष्ट्र निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्होंने युवाओं से भारतीय परंपरा संस्कार एवं नैतिक मूल्यों को आत्म साध करने का आवाहन किया उन्होंने कहा जब तक हम अपनी सोच और अपने एटीट्यूड को ठीक नहीं करेंगे तब तक हमारा सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता ज्ञान और बुद्धि को एक मान लिया जाता है लेकिन दोनों के मध्य अंतर है इसलिए दोनों का समावेश करते हुए विकास को सोचना होगा संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्य हमारी जड़े हैं इस पर भी हमें ध्यान देना होगा हमें अपनी परंपराओं तथा तकनीक को जोड़कर विकसित भारत का निर्माण करना होगा उन्होंने कहा कि व्यक्ति के विकास के लिए ज्ञान बहुत जरूरी है हमें समग्र विकास के लिए उसे अपने जीवन में उतरना होगा उन्होंने कहा कि माननीय प्रभाव प्रधानमंत्री ने हमें गुलामी की मानसिकता से बाहर निकाला है और देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है हम सभी लोगों को मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत करना होगा अरुण गोविल सांसद ने कहा कि किताबें का चालान एकेडमिक नॉलेज में काम होता जा रहा है इस पर भी हमें ध्यान देना होगा हम चौथी सबसे बड़ी फाइनेंशियल पावर बन सके इसके लिए कार्य करना होगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी दत्त ने कहा नई शिक्षा नीति 2020 के आने के बाद विश्वविद्यालय में लागू कर दी गई है इससे पूरे देश में बच्चों का अब सर्वांगीण विकास हो सकेगा इसमें भारतीय परंपरागत ज्ञान को जोड़ा जा रहा है साथ ही संस्कृत वेद पुराण महाभारत गीता रामायण से भी छात्रों को परंपरागत ज्ञान देने की शुरुआत की जाएगी इससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सकेगा साथ ही परंपरागत कृषि का ज्ञान पर्यावरण का ज्ञान आदि छात्राओं को देकर विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया जाएगा साथ ही वैदिक मैथमेटिक्स कल्चरल आर्ट आदि की शिक्षा भी छात्र-छात्राओं को दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी दत्त ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान है बल्कि यह आधुनिक समाज के लिए मार्गदर्शन का भी कार्य करती है।

संगोष्ठी के दौरान डॉ मनोज कुमार अग्रवाल प्रोफेसर एवं प्रचार एन यू एस महाविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा एक परिचय डॉक्टर गजेंद्र सिंह स्कूल आफ मैथमेटिकल एंड कंप्यूटेशनल साइंसेज जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भारतीय प्राचीन गणित में एल्गोरिथिमक आधार आर्यभट्ट एवं आचार पिंगला विषय पर व्याख्यान दिए अंतिम सत्र में डॉक्टर परमानंद बर्मन वरिष्ठ वैज्ञानिक सिर निष्पद नई दिल्ली ने वैज्ञानिक रूप से मान्य भारतीय पारंपरिक ज्ञान विषय पर अपने विचार रखें कार्यक्रम में स्वागत भाषण कुल सचिव प्रोफेसर रामजी सिंह द्वारा तथा धन्यवाद प्रस्ताव डॉ विजय कुमार सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कृतिका सिंह सोमवंशी द्वारा किया गया उद्घाटन सत्र के दौरान कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय डॉक्टर अर्चना आर्य आयोजन एवं अध्यक्ष न्यू एजुकेशन पॉलिसी समिति द्वारा प्रस्तुत किया गया

इस कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव डॉक्टर रामजी सिंह कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर अर्चना आर्य डॉक्टर हितेश कुमार डॉ महेश कुमार भारतीय डॉक्टर श्वेता यादव अमित शर्मा दीपक गुप्ता सनी गुप्ता निर्देशक अधिष्ठाता शिक्षक तथा छात्र-छात्राएं मौजूद रहे इस संगोष्ठी के अवसर पर घर-घर रामायण कार्यक्रम के अंतर्गत श्री रामायण की 200 प्रशन का विद्वत वितरण किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
अंतर्गत संगोष्ठी
System
फरवरी, 2026
विश्वविद्यालय-
SARDAR VALLABHBHAI PATEL UNIVERSITY OF AGRI. & TECH. - MEERUT
2000

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
अंतर्गत संगोष्ठी
भारतीय ज्ञान
Indian Knowledge
नैदानिक सभागार
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि

कृषि विश्वविद्यालय मेरठ मे तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय मेरठ मे आयोजित की जा रही तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आज समापन हुआ जिसमे संघर्षपूर्ण मुकाबले मे पोस्ट हार्वेस्ट कालेज की टीम ने तकनीकी महाविद्यालय की टीम को पराजित करके विजेता का खिताब जीता इस प्रतियोगिता मे अक्षित सालियांन को सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का पुरस्कार मिला इसके अतिरिक्त बेस्ट रेडर का पुरस्कार अतुल देढा को एवं बेस्ट डिफेंडर का पुरस्कार कुशाग्र को दिया गया, समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा० त्रिवेणी दत्त ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा की खेल कूद से छात्रों के अंदर न केवल खेल भावना विकसित होती है बल्कि उनका सर्वांगीन विकास भी होता है, तथा भविष्य मे खेल कूद की सुविधाओं को और अधिक बढ़ाने का पूर्ण प्रयास किया जायेगा, विश्वविद्यालय के खेल कूद समन्वयक डा० विपिन कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए विश्वविद्यालय मे खेल कूद की गतिविधियों की पूर्ण रूप रेखा प्रस्तुत की, अधिष्ठाता ने छात्रों से गतिविधियों का आयोजन करने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, इस अवसर पर डा ० वी के सिंह, डा ० श्रेया रावत, डा ० जेनिथा, आशा बिष्ट आदि उपस्थित रहे, प्रतियोगिता के आयोजन मे पुष्पेंद्र त्यागी, श्रुति,अक्षय प्रताप, अर्जुन मलिक आदि का विशेष सहयोग रहा।

Sardar Vallabhbhai Patel
of Agriculture and Technology, Meerut -250110
IARI WALA
University Kabaddi Tournament
(MEN)
Sponsored by : IARI WALA
Date : 24.02.2026 to 26.02.2026
Time : 04.00 pm onwards
Venue : University Sports Stadium
All the respected students of SVPUAT family

SVPUA&T holds International Academic Interaction under the Centre for International Relations (CIR)

The Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture and Technology (SVPUA&T), Meerut marked a significant milestone toward global academic engagement by organizing an international academic interaction with faculty members from Japan under the aegis of its newly established Centre for International Relations (CIR).

The programme was chaired by the Hon’ble Vice Chancellor, **Triveni Dutt**, and was attended by Deans, Directors, faculty members, and PG and Ph.D. scholars of the University. The distinguished guest speakers included **Matsuno Yutaka**, Professor of Environmental Management, College of Agriculture, Kindai University, and **Noda Keigi**, Professor of Biological & Environmental Engineering. The event was coordinated by Dr. Pushpendra Singh, Associate Professor & Compliance Officer, Study in India (SII) Programme.

In his welcome address, Prof. Triveni Dutt highlighted the academic excellence, research achievements, and extension strengths of SVPUAT and expressed keen interest in fostering collaborative partnerships with leading Japanese universities.

Prof. Matsuno and Prof. Noda delivered insightful lectures on advanced water resource management strategies, precision agriculture technologies, and AI-driven innovations for sustainable farming systems. They emphasized the transformative role of Information and Communication Technology (ICT) in agriculture and water management, particularly the applications of Artificial Intelligence (AI) and Machine Learning (ML) in enhancing productivity and sustainability.

The visiting professors expressed strong interest in establishing joint academic and research collaborations in the near future. The Hon’ble Vice Chancellor conveyed optimism that this interaction would pave the way for long-term collaboration between SVPUAT, The University of Tokyo, and Kindai University, thereby strengthening the University’s global footprint in alignment with the objectives of the National Education Policy 2020.

Prof. Dr. Pushpendra Kumar, Director, Centre for International Relations, proposed the initiation of a twinning programme in agriculture and technology with these universities. He also suggested onboarding the distinguished faculty as adjunct/visiting professors, alongside faculty and student exchange programmes.

Dr. Harsh Panwar, Associate Director, CIR, delivered the vote of thanks and expressed gratitude to the esteemed guests and participants, reaffirming the University’s commitment to international academic excellence and global collaboration.

SVPUAT MEERUT

SVPUA & T
MEERUT

माननीय कुलपति जी ने आज दिनांक २२.०२.२०२६ को छात्रावास का दौरा कर छात्रों से संवाद किया, उनकी सुविधाओं और समस्याओं को जाना। छात्र कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रैगिंग दण्डनीय अपराध है।
RAGGING IS A
PUNISHABLE OFFENCE
LBS Girls' Hostel
MENU

एक दिवसीय राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली (एन.पी.एस.एस) कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन।

मेरठ: भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के उप कार्यालय क्षेत्रीय केन्द्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, लखनऊ द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली (एन.पी.एस.एस) कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ त्रिवेणी दत्त, कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि डॉ जे. पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार, सम्मानित अतिथिगण डॉ राम जी सिंह, कुल सचिव एवं डॉ विवेक, अधिष्ठाता (कृषि), सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, डॉ. निरंजन सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, एनआरआईआईपीएम, नई दिल्ली, डॉ. सुनीता पाण्डेय, संयुक्त निदेशक एवं योजना प्रभारी आई. पी. एम. और डॉ. जी. पी. सिंह, संयुक्त निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी, क्षे. के. ए. ना. प्र. केंद्र, लखनऊ, ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ त्रिवेणी दत्त, कुलपति, ने विकसित भारत में कृषि के महत्व को बताते हुए समृद्धि के शताब्दी पर्व में एन पी एस एस ऐप एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैट बोट के इस्तेमाल पर जोर दिया। कुलपति महोदय ने बताया कि देश के कृषि क्षेत्र में आई नई तकनीकी से भारतीय कृषि को नई दिशा मिली है, अतः हम सभी लोगो का दायित्व है कि इसका पूर्ण रूप से पालन कर कृषि के डिजिटलीकरण के लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग करे। विशिष्ट अतिथि डॉ जे. पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार ने विभिन्न जनपदों से आये हुए कृषि रक्षा, उद्यान विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी अधिकारियों को बताया कि राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है जो नवीनतम एआई/एमएल तकनीकों का उपयोगकर कीटों एवं बीमारियों की पहचान कर तत्काल समाधान प्रदान करता है। व्याख्यान के दौरान वनस्पति संरक्षण सलाहकार ने कहा कि भारत सरकार के विभिन्न संस्थानों द्वारा जारी रिपोर्ट के आधार पर बताया कि रासायनिक कीटनाशक अवशेष की मात्रा कृषि उत्पादों में तीव्र गति से बढ़ रहा है। जिसकी वजह से अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भारत से विभिन्न कृषि उत्पादों केनिर्यात में बाधा उत्पन्न हो रही है। डा सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रासायनिक कीटनाशकों का अनुचित प्रयोग मानव शरीर पर दुष्परिणाम के साथ-साथ पर्यावरण के लिए बेहद नुकसानदेह है।

डॉ राम जी सिंह, कुल सचिव वर्तमान में चल रही ए आई सम्मेलन को ध्यान में रखते हुए बताया कि आने वाला समय एआई का है ए आई आधारित एन पी एस एस ऐप का उपयोग करके किसानों की लागत को कम कर सकते है।

डॉ विवेक, अधिष्ठाता, कृषि ने उन्नत तकनीकी से कृषि करने पर जोर दिया एवं प्रशिक्षणार्थियों को एन पी एस एस के उपयोग पर जोर दिया।

डॉ. निरंजन सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, एनआरआईआईपीएम, ने सभागार में तकनीकी सत्र में उपस्थित विभिन्न जनपदों से आये हुए प्रशिक्षुओं को एन.पी.एस.एस. एप के डाऊनलोड से लेकर प्रयोग विधि, प्रविष्टि, फोटो अपलोड एवं सलाह जारी करने तक पूरी विधियों की प्रस्तुति ऑनलाइन करके दिखाया।

डॉ. सुनीता पाण्डेय, संयुक्त निदेशक एवं योजना प्रभारी, आई. पी. एम. ने वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और एन पी एस एस ऐप के सैद्धांतिक पहलुओं पर चर्चा की। डॉ सुनीता के सभी सम्मानित अतिथियों एवं प्रतिभागियों कीउपस्थिति के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

डॉ. जी. पी. सिंह, संयुक्त निदेशक, प्रभारी अधिकारी क्षे. के. ए. ना. प्र. केंद्र ने आये हुए सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया। एन पी एस एस के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि यह ऐप नशीजीव की सही पहचान, समय पर निदान और नुकसान से होने वाले पूर्वानुमान के बारे में बताता है।

डॉ गजे सिंह, प्रोफेसर, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ आर एस सेंगर, प्रोफेसर एवं डॉ दिग्विजय सिंह, विभागाध्यक्ष कीट विज्ञान, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ ने कार्यक्रम संपन्न करने में विशेष सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन शैलेश कुमार, सहायक निदेशक, क्षे. के. ए. ना. प्र. कें. लखनऊ ने किया।

एकेडमिक काउंसिल की 96वीं बैठक का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज एकेडमिक काउंसिल की 96वीं बैठक का आयोजन कुलपति डॉ त्रिवेणी दत्त की अध्यक्षता में किया गया इस बैठक में 26 प्रस्ताव रखे गए जिन पर विचार उपरांत के बाद सभी को पास कर दिया गया इस बार विभिन्न महाविद्यालय में छात्रों की संख्या पिछले वर्ष से लगभग 20% तक बढ़ा दी गई है जिससे प्रदेश के छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने का मौका मिल सकेगा इस बार एमवी एस सी वेटरनरी कॉलेज में एनिमल साइंस कॉलेज ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी में एमएससी M.tech तथा एचडी में इनफॉर्मेटिक्स साइंस में प्रारंभ की जाएगी इसके अलावा बीटेक डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बीटेक इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी B.Tech इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग की भी क्लासेस और डिग्री प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे।

कृषि विश्वविद्यालय में इस बार से बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स नेचुरल फार्मिंग एवं एमएससी ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर में भी प्रारंभ की जाएगी इसके अलावा विश्वविद्यालय में MBA एग्री बिजनेस मैनेजमेंट की लगभग 50 सीट के साथ शिक्षा प्रारंभ की जाएगी।

कृषि विश्वविद्यालय में इस बार मैथमेटिक्स एवं डाटा साइंस में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को भी प्रारंभ करने का अनुमोदन दिया गया इसके अलावा एमएससी एनवायरमेंटल साइंस में भी प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की गई है इसी प्रकार से एमएससी बायोकेमेस्ट्री मे भी शिक्षण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा इसके अलावा बीज प्रोडक्शन बीकीपिंग बायो एजेंट प्रोडक्शन फिश एक्वेरियम फेब्रिकेशन एंड मैनेजमेंट नेचुरल फार्मिंग मशरूम प्रोडक्शन क्लाइमेट रेजिडेंट एग्रीकल्चर रीजेनरेटिव एग्रीकल्चर टिशु कल्चर बेसिक मॉलेक्युलर टेक्निक्स के इनफॉर्मेटिक्स लैंडस्कैपिंग और गार्डनिंग प्रोडक्ट कल्टीवेशन ऑफ़ फ्लावर क्रॉप्स हाइड्रोपोनिक्स वेजिटेबल प्रोडक्शन पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट का फ्रूट्स एंड वेजिटेबल एग्जॉटिक वेजिटेबल प्रोडक्शन आदि विषयों पर वोकेशनल तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया इसके अलावा कुलपति के मार्गदर्शन में अन्य कई वोकेशनल तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जाएंगे जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश और भारत के लोगों को ट्रेनिंग डे कार्ड स्टार्टअप तथा एंटरप्रेन्योर्सशिप में उनको और आगे बढ़ाया जा सके।

इस अवसर पर कुल सचिव प्रोफेसर रामजी सिंह वित्त नियंत्रक पंकज चतुर्वेदी विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता निर्देशक विभाग विभागाध्यक्ष विभिन्न महाविद्यालयों के फैकल्टी सिक्योरिटी वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर एवं वरिष्ठ असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल रहे आज एकेडमिक काउंसिल का प्रारंभ वंदे मातरम से प्रारंभ किया गया और अंत में राष्ट्रगान के उपरांत बैठक का समापन हुआ यह पहला अवसर था जब विश्वविद्यालय में कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी दत्त के निर्देशन में एकेडमिक काउंसिल एक नए और सुव्यवस्थित तरह से संपन्न हुई।

SVPUAT MEERUT
तकनीकी ज्ञान सम्पन्न किसान